आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव अँचल

वर्ष 47 अंक 16 (प्रति रविवार) इंदौर, 07 जनवरी से 13 जनवरी 2024 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

राबड़ी और मीसा के खिलाफ चार्जशीट

रेलवे की नौकरी के बदले जमीन घोटाले में ईडी ने कसा शिकंजा

नई दिल्ली। नौकरी के बदले जमीन घोटाले से संबंधित मनी लांड्रिंग मामले में बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, उनकी बेटियों मीसा भारती, हेमा यादव समेत अन्य की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सीबीआइ के बाद अब ईडी ने इस मामले के आरोपितों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। मामले में ईडी ने मंगलवार को पहला आरोप पत्र दायर किया है, जिसमें राबड़ी देवी, मीसा भारती और हेमा यादव के अलावा हृदयानंद चौधरी, एके इंफोसिस्टम्स फर्म के प्रमोटर और लालू यादव के करीबी कारोबारी अमित कात्याल को आरोपित बनाया गया है। इसके अलावा मामले में दो फर्म एके इंफोसिस्टम्स फर्म और एबी एक्सपोर्ट को भी आरोपित बनाया गया है।

ईडी द्वारा दाखिल 4751 पन्नों के आरोपपत्र पर राउज एवेन्यू कोर्ट 16 जनवरी को संज्ञान लेगा। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने ईडी को मंगलवार को आरोप पत्र और दस्तावेजों की ई-प्रति दाखिल करने का निर्देश दिया। ईडी के विशेष लोक अभियोजक मनीष जैन और अधिवक्ता इशान बैसला ने अदालत को बताया कि राबड़ी देवी के परिवार के सदस्य अपराध की आय के लाभार्थी हैं। कात्याल को ईडी ने 11 नवंबर को गिरफ्तार किया था और 23 नवंबर को उसे अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। अन्य आरोपितों को बिना गिरफ्तारी के आरोपित बनाया गया है। ईडी ने मार्च-2023 में नौकरी के बदले जमीन घोटाले में दिल्ली- एनसीआर, पटना, मुंबई और रांची आदि में 24 स्थानों पर छापेमारी की थी। ईडी ने जुलाई में कहा था कि मनी लांड्रिंग जांच के तहत लालू प्रसाद के परिवार में उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटी मीसा भारती और संबंधित कंपनियों की छह करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त कर ली है। ईडी की सीबीआइ की ओर से की गई प्राथमिकी के आधार पर मनी लांड्रिंग का मामला दर्ज किया था।

सीबीआइ ने भी बनाया था आरोपित-वहीं, इससे जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआइ ने तीन जुलाई, 2023 को दायर अपने दूसरे आरोपपत्र में लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, पश्चिम मध्य रेलवे (डब्ल्यूसीआर) के तत्कालीन जीएम, डब्ल्यूसीआर के दो सीपीओ सहित 17 लोगों को आरोपित बनाया था। इस आरोपपत्र में पहली बार तेजस्वी यादव को आरोपित बनाया गया था। फिलहाल लालू इस मामले के साथ-साथ चारा घोटाला मामलों में भी जमानत पर बाहर हैं।

जबलपुर में रेलवे भर्ती से जुड़ा है पूरा मामला-पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पर वर्ष 2004 से 2009 के दौरान रेल मंत्री रहते हुए मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित पश्चिमी मध्य क्षेत्र में हुई रेलवे की ग्रुप डी भर्तियों से जुड़ा है। सीबीआइ ने लालू यादव समेत अन्य आरोपितों पर अभ्यर्थियों से जमीन लेकर नौकरी देने का आरोप लगाया है। सीबीआइ ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले में 18 मई, 2022 को मुकदमा दर्ज किया था। जुलाई 2022 में तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के ओएसडी भोला प्रसाद को गिरफ्तार किया गया था। 10 अक्टूबर, 2022 को जांच एजेंसी ने आरोपपत्र दायर कर 16 लोगों को आरोपित बनाया था। लालू परिवार समेत 14 आरोपितों को 15 मार्च, 2023 को अदालत में पेशी का समन जारी किया गया था। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया था कि वर्ष 2007 में एक निजी कंपनी के नाम पर 10.83 लाख रुपये में एक भूखंड खरीदा गया था और बाद में वह भूमि भी जब्त कर ली गई।

जांच एजेंसी ने खोजबीन के दौरान एक हार्ड डिस्क भी बरामद की थी, जिसमें नियुक्ति पाने वाले उम्मीदवारों की सूची थी।

भारत आज दुनिया में स्थिरता की गारंटी बन गया है-मोदी

पीएम ने अगले 25 वर्षों में देश को विकसित बनाने का रखा लक्ष्य

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हमने अगले 25 वर्षों में भारत को एक विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है। आज भारत दुनिया में स्थिरता की गारंटी बन गया है। हाल ही में भारत ने आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाया। अब भारत अगले 25 साल की तैयारी कर रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारा लक्ष्य आजादी के 100 साल पूरे होने तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। अगले 25 साल भारत के लिए अमृत काल होने वाला हैं। यह नये संकल्पों का समय है। उन्होंने कहा कि वाइब्रेंट गुजरात समिट आर्थिक विकास और निवेश का एक वैश्विक मंच बन गया है। पीएम ने कहा कि

भारत और यूएई ने फूड पार्क के विकास, नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग और नवीन स्वास्थ्य देखभाल में निवेश के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत के बंदरगाह बुनियादी ढांचे के लिए यूएई की कंपनियां अरबों डॉलर के निवेश पर सहमत हुई हैं। भारत और यूएई अपने रिश्ते को नई ऊंचाइयों पर ले गए हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत को स्थिरता के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखती है। पीएम मोदी ने कहा कि एक दोस्त जिस पर भरोसा किया जा सकता है, एक साथी जो जन-केंद्रित विकास में विश्वास करता है, एक आवाज जो वैश्विक भलाई में विश्वास करती है, ग्लोबल साउथ की आवाज, वैश्विक अर्थव्यवस्था में विकास का एक इंजन, समाधान खोजने के लिए एक प्रौद्योगिकी केंद्र, एक पावरहाउस प्रतिभाशाली युवाओं और एक लोकतंत्र जो उद्धार करता है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जबकि 10 साल पहले भारत 11वें स्थान पर था। आज दुनिया की हर प्रमुख रेटिंग एजेंसी का अनुमान है कि भारत अगले कुछ वर्षों में दुनिया की टॉप 3 इकोनॉमी में जाएगा।

शिंदे गुट ही असली शिवसेना

उद्धव की अपील खारिज, स्पीकर ने एकनाथ शिंदे के पक्ष में सुनाया फैसला

मुंबई। शिंदे गुट को असली शिवसेना बताते हुए 16 बागी विधायकों के अयोग्यता पर फैसले में स्पीकर राहुल नार्वेकर ने उद्धव गुट को बड़ा झटका दे दिया है। उन्होंने शिवसेना प्रमुख के अधिकार पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके साथ ही विधानसभा अध्यक्ष ने फैसले के लिए शिवसेना के राष्ट्रीय कार्यकारिणी को तरजीह दी। सुनवाई के बाद विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि 2018 का लीडरशिप स्ट्रक्चर मान्य नहीं है। शिवसेना की 1999 के संविधान के मुताबिक असली शिवसेना का फैसला किया गया, इस लिहाज से पार्टी में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि शिवसेना प्रमुख को भी राष्ट्रीय कार्यकारिणी से ही शक्तियां मिलती हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उद्धव का नेतृत्व पार्टी के संविधान के मुताबिक नहीं है। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष नर्वेकर ने फैसले के तकनीकी पहलुओं का उल्लेख किया और तदुपरांत उद्धव ठाकरे गुट की उस मांग को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने 16 विधायकों को अयोग्य घोषित करने को कहा था। इस फैसले के बाद सीएम शिंदे मुख्यमंत्री बने रहेंगे।

संपादकीय

क्या भविष्य में भारत में बांग्लादेश जैसे चुनावों होंगे ?

भारत के सहयोग से 1971 में वजूद में आये बांग्लादेश में आम चुनाव हो गए । ये बांग्लादेश के अब तक हुए चुनावों में से सर्वथा अलग चुनाव थे ,क्योंकि इन चुनावों में विपक्ष नहीं था । बांग्लादेश में हिंसा की आशंका के बीच हुए आम चुनावों में प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को बड़ी जीत मिली है। कुल 299 सीटों में से अवामी लीग ने 222 सीटें जीतीं। दूसरे बड़े राजनीतिक दल जातीय पार्टी को सिर्फ 11 सीटें मिलीं। 65 सीटों पर निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव जीते हैं। बांग्लादेश में सरकार बनाने के लिए 151 सीटों की जरूरत होती है। चुनावों से दूर रही मुख्य विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी, यानी [बीएनपी] ने चुनाव परिणामों को खारिज कर दोबारा चुनावों की मांग की है।अमेरिका लगातार बांग्लादेश चुनाव को अलोकतांत्रिक बता रहा है. वहीं ब्रिटेन ने इसे वन वुमन शो कहा है । भारत को इस समय चूंकि धर्म के खुमार में डुबो दिया गया है इसलिए किसी को बांग्लादेश के आम चुनावों के बारे में चर्चा करने की न फुरसत है और न जरूरत। जबकि इन आम चुनावों के बाद आये नतीजों पर सख्त निगाह रखने की जरूरत है। हम उस पीढ़ी के लोग हैं जिन्होंने बांग्लादेश को बनते देखा है,इसलिए हमारी दिलचस्पी हमेशा बँगला देश में रही है । बांग्लादेश विश्व में आठवाँ सबसे अधिक आबादी वाला देश है, जिसकी आबादी 16.4 करोड़ से अधिक है। भू-क्षेत्रफल के मामले में, बांग्लादेश 92 वें स्थान पर है, जिसकी लम्बाई 148,460 वर्ग किलोमीटर है, जो इसे सबसे घनी आबादी वाले देशों में से एक बनाता है।, बांग्लादेश की कुल आबादी का 98 फीसदी हिस्सा बंगाली हैं, जो इसे दुनिया में सबसे अधिक सजातीय राज्यों में से एक बनाता हैबांग्लादेश की बड़ी मुस्लिम आबादी इसे तीसरा सबसे बड़ा मुस्लिम-बहुल देश बनाती है। बंग्लादेश के संविधान के अनुसार बांग्लादेश राजकीय धर्म इस्लामिक देशहै किन्तु बांग्लादेश को एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है। संयोग से बांग्लादेश की धर्मनिरपेक्षता की हालत भारत जैसी ही है । सत्तारूढ़ दल देश को हिन्दू राष्ट्र बनाकर धर्मनिरपेक्ष राज्य बनाये रखना चाहता है। भारत में आजकल अयोध्याकाण्ड चल रहा है । भारत में भी इसी तिमाही में आम चुनाव होना है। इन चुनावों पर बांग्लादेश के आम चुनावों के नतीजों का कितना असर पड़ेगा ,कहना कठिन है। भारत में भी पिछले कुछ वर्षों से विपक्ष को ठेंगे पर रखा जा रहा है। हाल ही में सरकार ने संसद के 150 सदस्यों को सदन से निलंबित कर अनेक विधेयक पारित कर ये संकेत दे दिए हैं की उसे भी बांग्लादेश की तरह विपक्ष की कोइई खास जरूरत नहीं है। गनीमत ये भी है की भारत में फिलहाल सभी विपक्षी दल चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने रविवार को हुए आम चुनाव में लगभग 75 प्रतिशत सीटें जीतकर लगातार चौथी बार सत्ता में वापसी की है। चुनाव में पिछली बार की तुलना में कम नागरिकों ने भाग लिया। भारत में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी भी तीसरी बार सत्ता में वापस आने के लिए इस बार 400 सीटें जितने का लक्ष्य निर्धारित कर चुके हैं। भारत में संसद की कुल 545 सीट हैं लेकिन चुनाव 543 सीटों के लिए होई होता है। आपको बता दूँ की बांग्ला देश भी भारत की तरह ही आर्थिक समस्याओं से भी घिरा हुआ है, जिसे पिछले साल अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से लगभग 5 बिलियन डॉलर के कर्ज की दरकार थी। दुर्भाग्य से बांग्लादेश ने तटस्थ चुनाव परंपरा को त्याग दियाहै ,जि. अपने भारत समर्थक रुख के बावजूद, शेख हसीना को कथित लोकतांत्रिक मानदंडों के उल्लंघन के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा है, जिसमें 8 हजार विपक्षी हस्तियों की गिरफ्तारी भी शामिल है। इन कारणों से संयुक्त विपक्ष ने चुनाव बहिष्कार का आह्वान किया. शेख हसीना ने विपक्ष को आतंकवादी तक कह दिया।भारत में भी पिछले आम चुनाव कुछ इसी तरह के रहे,क्योंकि भाजपा विधानसभा चुनावों में जिन राज्यों में हारी थी उन्हीं राज्यों में भाजपा ने लोकसभा चुनावों में क्लीन स्वीप कर दिखाया था। ये कैसे हुआ ,आज भी रहस्य के गर्त में है। विपक्ष को आशंका है की सरकार देश को बांग्लादेश की तर्ज पर ही कुछ खेला न कर बैठे।बांग्लादेशमें विपक्ष के बहिष्कार के आव्हान पर 77.5 प्रतिशत मतदाताओं ने चुनावों का बहिष्कार किया।

नये भारत की पुलिस में बड़े बदलाव जरूरी

ललित गर्ग

पुलिस की भक्षक छवि आजादी के अमृतकाल की सबसे बड़ी विडम्बना एवं त्रासदी है, पुलिस की रक्षक छवि कैसे स्थापित हो, वे खलनायक नहीं, नायक बने, आज के इस सबसे बड़े राष्ट्रीय प्रश्न पर जयपुर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पुलिस के बड़े अधिकारियों के बीच नसीहत देने की जरूरत पड़ी। मोदी ने देश भर के पुलिस मुखियाओं को सीख दी कि पुलिस जनता को बताए कि उसकी शिकायतों पर क्या कार्रवाई हुई। मतलब साफ है कि अभी शायद पुलिस इस काम को पूरी तरह से अंजाम नहीं दे पा रही है। बड़ा सवाल है कि आज़ाद होने के बाद जब हम एक धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र बनाने चले, तब हमने अपनी सबसे महत्वपूर्ण संस्था पुलिस में आमूल-चूल परिवर्तन की बात क्यों नहीं सोची? भारतीय पुलिस आज हमें जिस स्वरूप में दिखती है, उसकी नींव 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की समाप्ति के बाद पड़ी थी और इसके पीछे तत्कालीन शासकों की एकमात्र मंशा औपनिवेशिक शासन को दीर्घजीवी बनाना था और उसमें वे काफी हद तक सफल भी हुए। 1860 के दशक में बने पुलिस ऐक्ट, आईपीसी, सीआरपीसी या एविडेंस एक्ट जैसे कानूनों के खंभों पर टिका यह तंत्र ना तो कभी जनता का मित्र बन सका, ना ही जनता के रक्षक की भूमिका को निष्पक्षता से निभा सका और ना ही उसकी ऐसी कोई मंशा थी। आजादी के बावजूद आज भी हम विदेशी दासता का दंश ही झेल रहे हैं और उसमें सबसे बड़ी भूमिका पुलिस की ही है। आजाद भारत की बड़ी असफलता है कि पुलिस कानून-कायदों की धज्जियां उड़ाने वाला, भ्रष्ट और जनता के शत्रु संगठन के रूप में ही काम कर रहा है, तभी आम जनता पुलिस नाम से ही थर-थर कांपती है। जरूरत है वर्तमान थानों को अब जन-रक्षक केन्द्र के रूप में विकसित करते हुए पुलिस की नयी कार्यप्रणाली, भूमिका, छवि एवं दायित्वों को निर्धारित किया जाये।

पुलिस महानिदेशकों और महानिरीक्षकों के 58वें अखिल भारतीय इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री की इस सीख से यह जाहिर होता है कि आजादी के 77 साल बाद भी पुलिस जनता की दोस्त एवं रक्षक के रूप में काम नहीं कर रही। इसके लिए पुलिस को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। प्रधानमंत्री की पुलिस अफसरों को दी गई नसीहत ने कई विचारणीय सवाल भी खड़े किए हैं। पहले भी पुलिस सुधारों को लेकर काफी विचार-विमर्श व सरकारी स्तर पर फैसले हुए हैं। मोदी ने कहा कि तीनों नए आपराधिक न्याय कानूनों को 'नागरिक प्रथम, गरिमा प्रथम, न्याय प्रथम' की भावना से बनाया गया है और पुलिस को अब डंडे के बजाय डाटा के साथ काम करना होगा। सवाल यह है कि इसके बावजूद क्या पुलिस अपनी कसौटी पर खरी उतर सकेगी? अहम सवाल यह भी कि क्या पुलिस को बिना राजनीतिक एवं शासन के दबाव के स्वतंत्र तरीके से काम करने के अवसर मिल सकेंगे? अगर इस सवाल का जवाब हां है तो हमें इसके कारण एवं मार्ग भी तलाशने होंगे। यह जगजाहिर है कि पुलिस को कई बार राजनीतिक दबाव में काम करना पड़ता है। पुलिस की कार्यप्रणाली बहुत जटिल है और पुलिस बल अपेक्षा से काफी कम है। बड़ा संकट यही है कि आबादी के अनुपात में जितने पुलिसकर्मी होने चाहिए, उतने आज भी नहीं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में प्रति एक लाख जनसंख्या पर 196 पुलिसकर्मी होने चाहिए जबकि वर्तमान में यह आंकड़ा 152 ही है। अनेक राज्यों में तो यह अनुपात 130 के भी नीचे है। पुलिस अफसरों की नियुक्ति में सिफारिशें एवं भ्रष्टाचार किस स्तर का होता हैं, यह भी किसी से छिपा नहीं है। विडम्बना यह है कि एक तरफ पुलिसकर्मियों की कमी है तो दूसरी तरफ मंत्री और विधायकों से लेकर पार्टी पदाधिकारी भी अपनी सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती चाहते हैं, फिर जनता की सुरक्षा-ढाल कौन और कैसे बनेगा?

भारत को आजादी के अमृतकाल की सम्पन्नता यानी 2047 तक विकसित-सशक्त राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए भारतीय पुलिस को आधुनिक, तकनीकी और विश्वस्तरीय बनाने की जरूरत है। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि वे पूरी ईमानदारी से जिम्मेदारी निभा रहे हैं, लेकिन जनता का नजरिया शायद पुलिस के दावों से मेल नहीं खाता। पुलिस में सेवा, सहयोग एवं रक्षा का भाव हो तभी वह जनआकांक्षाओं के अनुरूप अपने आपको ढाल सकती है। शायद तभी प्रधानमंत्री की सीख भी कारगर साबित होगी। जरूरत इस बात की भी है कि हाईटेक हो रहे अपराधियों से निपटने के लिए पुलिस बेड़े को तकनीकी रूप से दक्ष किया जाए। पुलिस का बड़ा दायित्व है कि वह महिलाओं की सुरक्षा पर सकारात्मक एवं सुरक्षात्मक नजरिया विकसित करें ताकि वे कभी भी और कहीं भी बिना किसी भय के काम कर सकें। सरकार की माने तो महिलाओं और लड़कियों को उनके अधिकारों एवं नए कानूनों के तहत उन्हें प्रदान की गई सुरक्षा के बारे में जागरूक करने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

नये भारत, सशक्त भारत की बुनियादी जरूरत है वर्तमान पुलिस व्यवस्था को भारतीय मूल्यों एवं अपेक्षाओं के अनुरूप गठित करने की। क्योंकि आज की पुलिस व्यवस्था मूलतः ब्रिटिश पद्धति पर आधारित है, यह व्यवस्था लगभग 160 वर्ष से भी पुरानी है, जो रक्षक नहीं बल्कि भक्षक बनी हुई है। किसी पर भरोसा कर रक्षा के लिए छोड़ दे और वही आपका नुकसान कर दे तो उसे भक्षक कहते है। आज भी हमारे राजनेता एवं राजनीति विदेशी मानसिकता एवं दासता से ग्रस्त है। इसलिए तो हमारे शासकों एवं राजनेताओं को आज भी ऐसी पुलिस भाती है, जो उनके इशारों पर विरोधियों के हाथ-पैर तोड़ दे, उनके खिलाफ झूठे केस दर्ज कर दें या उनके समर्थकों के कानून तोड़ने पर अपनी आंखें मूंद ले? आज भी चुनाव जिताने के लिए पुलिस उनके पास सबसे कारगर औजार है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आज भी भारत में जितने भी साम्प्रदायिक दंगे हुए उनमें पुलिस की भूमिका बेहद संदेहास्पद एवं खतरनाक स्थिति में थी। पुलिस का कार्य निष्पक्ष रह कर अपने कार्यों को अंजाम देना है ना कि उसी में शामिल हो जाना। राजनीतिक दबाव के कारण पुलिस अपने कार्यों को निष्पादित नहीं कर पाती है और राजनीतिक कारणों से न्याय व्यवस्था प्रभावित होती है। सरकार को चाहिए कि पुलिस को पूरी तरह से राजनीतिक दबाव से मुक्त करे और अपना कार्य ईमानदारी पूर्वक करने दे। जनता की सुरक्षा के लिए आपको यह ज़िम्मेदारी दी गई है ना कि उसी का शोषण करने के लिए। पुलिस के काम करने का तरीका आज भी अंग्रेज़ों के ज़माने का है, जिसे सभी सिविल नागरिक अपराधी ही नज़र आता है। सरकार को देखना है कि पुलिस को मोरल पुलिसिंग की प्रेरणा एवं दायित्व मिले और उसके लिये नागरिक की सुरक्षा ही सबसे सर्वोपरि हो। पुलिस को अपने केस के अनुसंधान के लिए नए और आधुनिक तकनीक का प्रयोग करना चाहिए ना कि पुराने समय के अवधारणा को लेकर अनुसंधान।

निश्चित ही मोदी सरकार ने अमृत काल में प्रवेश करते हुए दो महत्वपूर्ण विकासों पर जोर दिया, नई शिक्षा नीति का निर्माण और ब्रिटिश युग के कानूनों की जगह नये कानून बनाना। यही कारण है तीनों नए आपराधिक कानून सजा के बजाय न्याय प्रदान करने पर केंद्रित हैं और इन कानूनों के कार्यान्वयन से हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली सबसे आधुनिक और वैज्ञानिक हो जाने की संभावना को बल मिला है। जरूरत है इन कानूनों के निष्पक्ष क्रियान्वयन की। जरूरत है कि इन नये कानूनों के अनुरूप पुलिस के प्रशिक्षण की समुचित व्यवस्था हो। सरकार की दिशा एवं संकल्प स्पष्ट है तभी देश में आतंकवाद, उग्रवाद, साम्प्रदायिक हिंसा एवं नक्सलवाद पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है। लेकिन नये युग के अनुरूप अपराध भी नयी शक्ल में सामने आ रहे हैं, जैसे सीमाओं की सुरक्षा, साइबर-खतरे, आर्थिक भ्रष्टाचार, कट्टरपंथ, पहचान दस्तावेजों में धोखाधड़ी आदि है। इनसे लड़ने एवं इन्हें समाप्त करने में पुलिस की ही सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। पुलिस कानून व्यवस्था की केंद्रीय धुरी है, इसलिए उसकी दक्षता, कार्यक्षमता, कौशल, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता पर ही नये भारत के नये कानूनों की कामयाबी का दारोमदार होगा। आज जब विश्व में भारत का महत्व बढ़ रहा है और आर्थिक विकास तेज गति से आगे बढ़ रहा है, तो शांति, सह-जीवन, स्थिरता और समृद्धि के लिए सक्षम एवं ईमानदार पुलिस तंत्र का होना आवश्यक है।

कलेक्टर बदले, जनसुनवाई का क्रम नही, देरी से आने वाले अफसरों का वेतन काटा

इंदौर। नए कलेक्टर आशीष सिंह ने मंगलवार को जनसुनवाई की। जनसुनवाई के बाद भी कलेक्टर ने लोगों की पीड़ा सुनी। दिव्यांगों के लिए तय किया कि उनकी सुनवाई ग्राउंड फ्लोर पर ही होगी। इस दौरान 8 दिव्यांगों को स्कूटी दी गई वहीं डेढ़ लाख से ज्यादा की आर्थिक सहायता भी जरूरतमंदों को दी गई। दिव्यांगों को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए विशेष कैंप लगाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जो विभागीय अधिकारी समय पर उपस्थित नहीं हुए, उनका एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। इसमें डीईओ और मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी सहित एक अन्य अधिकारी पर यह कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा इसमें लापरवाही न बरती जाए। सुनवाई के दौरान समझ आया कि कई दिव्यांग रोजगार के लिए परेशान हो रहे हैं, ऐसे में नगर निगम और अन्य संस्थाओं के माध्यम से विशेष रोजगार कैंप लगाया जाएगा।

निर्देशः शीतल नगर गृह निर्माण संस्था के चुनाव हों-फायर ब्रिगेड में सब इंस्पेक्टर रूपचंद पंडित ने वर्षों पहले रीजनल पार्क के समीप शीतल नगर में प्लॉट लिया था, लेकिन अब तक कॉलोनी का विकास नहीं हो पाया ज है। कलेक्टर ने सहकारिता विभाग को संस्था के चुनाव जल्द कराने के निर्देश दिए हैं। रूपचंद ने शीतल नगर में प्लॉट खरीदा था। 1981 से अब तक विकास काम पूरे नहीं हो पाए हैं। संस्था के पदाधिकारियों में खींचतान से प्लॉट का कब्जा नहीं मिल पा रहा है। कलेक्टर ने भास्कर से चर्चा में कहा कि ऐसी जितनी भी गृह निर्माण सहकारी संस्थाएं हैं, जिनके चुनाव नहीं हुए हैं, उनकी प्रक्रिया प्राथमिकता के आधार पर शुरू की जाएगी।

इन्हें दी गई आर्थिक सहायता

तीन दिव्यांगों सुरेंद्र सिंह, तारा बाथम व विनोद चौधरी को रेट्रोफिटेड स्कूटी मौके पर देने के निर्देश दिए।, दिव्यांग बालक शिव निवासी बाणगंगा को सीपी चेयर, 76 वर्षीय ओम प्रकाश राठौड़ को कान की मशीन दी।, 157 आवेदन रिट्रोफिटिंग स्कूटी के लिए दिए गए।, निजी कॉलेज में पढ़ रही छात्रा खुशबू साहू को कॉलेज फीस के लिए 53 हजार रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की। , वृद्धा कमला पंचोली को सिलाई मशीन के लिए 10 हजार स्वीकृत किए। , चिकित्सा सहायता के लिए हुकुमचंद गुप्ता व प्रकाश उपाध्याय को 10-10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की।

नदी में गंदा पानी बहाने वाली 9 फैक्ट्रियां सील, बिजली कनेक्शन भी काटे

***इंदौर।** नदी में बिना उपचार औद्योगिक अपशिष्ट डालने पर 9 फैक्ट्रियां के बिजली कनेक्शन काटकर उन्हें सील किया है। नदी-नालों को प्रदूषण मुक्त करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से एक्शन लिया गया।*

इस संबंध में पिछले दिनों बैठक में कलेक्टर आशीष सिंह ने स्पष्ट किया था की नदी-नालों के प्रदूषण के प्रति जिला प्रशासन जीरो टॉलरेंस रखेगा। ऐसे सभी उद्योग जो औद्योगिक अपशिष्ट बिना उपचार के सीधा नदी और नालों में बहा रहे हैं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके तहत बुधवार को राजस्व, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और जिला उद्योग केंद्र के अधिकारियों की टीम ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जहां फैक्ट्रियों द्वारा औद्योगिक अपशिष्ट सीधे नदियों में छोड़ा जा रहा था। उनके बिजली कनेक्शन काटकर सील कर दिया।

जिन फैक्ट्रियों को बंद कराया गया उनमें समता नगर पालदा स्थित मेसर्स सुप्रीम फूड प्रोडक्ट यूनिट, उद्योग नगर पालदा स्थित मेसर्स पेप्पे न्यूट्रिशन प्राइवेट लिमिटेड एवं मेसर्स सन इंडस्ट्रीज, औद्योगिक क्षेत्र सांवेर रोड स्थित मेसर्स साई मशीन टूल्स प्राइवेट लिमिटेड, ग्राम बरदरी संवेर रोड स्थित मेसर्स हर्षिता इंटरप्राइजेस, औद्योगिक क्षेत्र बरदरी स्थित मेसर्स संध्या एंटरप्राइजेस, औद्योगिक क्षेत्र सांवेर रोड स्थित मेसर्स विद्युत इलेक्ट्रोप्लेटर्स और औद्योगिक क्षेत्र लक्ष्मीबाई नगर स्थित मेसर्स कन्हैया डाइंग एवं मेसर्स मयूर डाइंग शामिल है। 2028 तक नदी एवं नालों को प्रदूषण मुक्त करने के लिए एक्शन प्लान भी तैयार किया जा रहा है, जिसके तहत नियमित रूप से अधिकारियों द्वारा उद्योगों का निरीक्षण किया जाएगा और निर्देशों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्यवाही भी की जाएगी।

शास्त्रीय गायक की यादें शहर में भी बिखरी हैं

उस्ताद राशिद खां इंदौर में 3 बार आए, यहां मनाई थी बसंत पंचमी

इंदौर। प्रख्यात शास्त्रीय गायक पद्मभूषण उस्ताद राशिद खां के निधन से संगीत जगत स्तब्ध है। इंदौर में भी उनकी यादें बिखरी हुई हैं। वे अंतिम बार 28 जनवरी 2020 को इंदौर म्यूजिक फेस्टिवल में प्रस्तुति देने आए थे। उस कार्यक्रम के आयोजक और गायक गौतम काले ने बताया कि प्रस्तुति के अगले दिन वसंत पंचमी थी। उन्होंने संगीत गुरुकुल के स्टूडेंट्स के साथ वसंत पंचमी मनाई और सरस्वती पूजा की थी। वे 2 दिन हमारे साथ रहे पर कोई नाज-नखरा हमें महसूस नहीं हुआ। उस्ताद राशिद खां इंदौर में 3 बार आए। संस्कृतिकर्मी संजय पटेल उनसे मिले। उन्होंने बताया, 1990 के आसपास पहली बार वे शहर आए थे तब बमुश्किल बीस बाईस बरस के नौजवान थे और गाने नहीं बल्कि विदुषी गिरिजा देवी के पीछे तानपुरा बजा रहे थे। शास्त्रीय गायिका कल्पना झोकरकर ने बताया, बड़े कलाकार होने के बावजूद उनमें सीखने की ललक थी। जयंत भिसे ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी।

पंढरीनाथ और सदर बाजार थाना प्रभारी को थाने से हटाकर ऑफिस से अटैच किया

इंदौर। पंढरीनाथ और सदर बाजार थाना प्रभारी को थाने से हटाकर ऑफिस से अटैच किया गया है। आरोप है कि विधानसभा चुनाव के दौरान गोलू शुक्ला से पंगा लिया था। कांग्रेसियों की मदद की थी। शुक्ला ने मुख्यमंत्री से शिकायत की थी। कल दोनों को हटा दिया।

विधानसभा चुनाव के समय तीन नंबर के उम्मीदवार पिंटू जोशी का पलड़ा सबको भारी नजर आ रहा था। लग रहा था कि कांग्रेस की सरकार बनेगी। गोलू गुट का पंढरीनाथ टीआई अनिलकुमार गुप्ता पर आरोप था कि वो पंढरीनाथ क्षेत्र के पुरी परिवार के कहने पर कांग्रेस की मदद कर रहे हैं। हरसिद्धी झोन में पुरी परिवार ने चुनाव में जैसा चाह, वैसा किया। गोलू शुक्ला और उनके लोग शिकायत करते रहे। टीआई गुप्ता ने ध्यान नहीं दिया। इसी तरह सदर बाजार टीआई सतीश पटेल ने क्षेत्र के मुस्लिम बाहुल्य इलाके में बूथ पर गड़बड़ होने की शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया। पटेल किसी की सुन नहीं रहे थे। गोलू शुक्ला दोनों से नाराज थे।

विधायक बनते ही

शुक्ला विधायक बन गए। भाजपा की सरकार बनी। इसके बाद से दोनों थाना प्रभारी सफाई देते फिर रहे थे। शुक्ला के पास भी सिफारिश पहुंचाई। कहा गया कि हम तो शुरू से भाजपा के मददगार रहे हैं। शुक्ला ने पिछले दिनों मुख्यमंत्री मोहन यादव को दोनों थाना प्रभारियों की शिकायत की। मुख्यमंत्री ने पुलिस कमिश्नर मकरंद देउस्कर से इन पर कार्रवाई करने को कहा था। डीसीपी मुख्यालय जगदीश डाबर ने गुप्ता को थाने से हटाकर झोन-4 डीसीपी के ऑफिस में और पटेल को झोन-1 डीसीपी ऑफिस में अटैच कर दिया। विधायक शुक्ला का कहना है कि सामान्य प्रक्रिया में तबादला हुआ है, मैने शिकायत नहीं की।

आजादनगर टीआई को

पिछले दिनों विधायक महेन्द्र हार्डिया ने आजादनगर टीआई नीरज मेढ़ा की शिकायत मुख्यमंत्री से की थी। उनकी शिकायत के बाद मेढ़ा को भी लाइन अटैच कर दिया गया था।

रेलवे, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित कई बड़े विभागों पर निगम का करोड़ों रुपया बकाया

इंदौर। आम लोगों और छोटे देनदारों से सख्ती से बकाया वसूली करने वाला नगर निगम बड़े बकायादारों से टैक्स वसूली में ढिलाई क्यों बरत रहा है। इन बड़े बकायादारों में कई सरकारी विभाग भी है। इनमें स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, रेलवे और अन्य कई बड़े विभाग शामिल हैं, जिन पर निगम का करोड़ों रुपया बकाया है। अगर निगम इन सभी बड़े विभागों से शक्ति से वसूली कर तो यह टैक्स कई 100 करोड़ रुपए में जा सकता है। जानकारी अनुसार शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य

विभाग, रेलवे, डाक विभाग, बीएसएफ, वन विभाग और अन्य के ऊपर सैकड़ों करोड़ों रुपया टैक्स के रूप में बकाया है। यहां तक की निगम को टैक्स समय पर अदा न करने वालों में पुलिस विभाग भी शामिल है। पुलिस विभाग भी निगम का एक बड़ा बकायादार है।

सूत्रों की मानें तो यदि इन सभी सरकारी विभागों से निगम अधिकारी सख्ती से वसूली कर तो सैकड़ों करोड़ों रुपया राजस्व की वसूली की जा सकती है। यह राशि तीन सौ करोड़ रुपए से भी ऊपर हो सकती है। आखिर निगम में बड़े सरकारी बकाया दारू से टैक्स वसूली में ढलाई क्यों भर रहा है यहां समझ की परे है।

अस्पतालों को आयुष्मान योजना के 195 करोड़ रुपए का इंतजार

इंदौर। गरीब और जरूरतमंद लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधाएं मिलें, इसके लिए सरकार ने आयुष्मान भारत योजना शुरू की। अब इस योजना के तहत मरीजों को इलाज मिलने में थोड़ी परेशानी हो रही है, क्योंकि संभागभर के अस्पतालों को इलाज की बकाया राशि नहीं मिल पा रही है। क्षेत्रीय निदेशक स्वास्थ्य सेवा कार्यालय के रिकार्ड के मुताबिक, अस्पतालों को अभी तक उनकी 195.22 करोड़ रुपये राशि नहीं मिल पाई है। इंदौर संभाग के आठ जिलों के 159 अस्पताल इस योजना में शामिल हैं। वहीं राशि का भुगतान समय पर नहीं होने के कारण कई अस्पताल इस योजना से बाहर भी हो गए हैं। 2018 में शुरू हुई थी योजना–बता दें कि वर्ष 2018 से शुरू हुई योजना में इंदौर संभाग के 47 लाख से अधिक मरीजों का अब तक इलाज हो चुका है। इंदौर में करीब 167939 मरीजों का योजना में इलाज हो चुका है।

मप्र के सीएम डॉ. मोहन ने लाड़ली बहनों को ट्रांसफर किए 1576 करोड़

अब छग में भी महिलाओं को सरकार देगी हर माह आर्थिक मदद, मप्र में बहनों को मिले 1250, छग में मिलेंगे 1000

भोपाल/रायपुर। मप्र में बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लाड़ली बहना योजना की पहली किस्त सिंगल क्लिक पर जारी की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने 1.29 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1576.61 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। साथ ही सामाजिक न्याय विभाग की 12 पेंशन स्कीम के 56 लाख हितग्राहियों को 341 करोड़ ट्रांसफर किए। वहीं छग में अब महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपए मिलेंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना के लिए अनुपूरक बजट में व्यवस्था कर ली गई है। जल्द ही प्रदेश की विवाहित माताओं-बहनों के खाते में पैसा जाने वाला है। साथ ही किसानों के खाते में धान का एक मुश्त राशि दिया जाएगा।

राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में राज्यस्तरीय कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्या पूजन से की। उन्होंने 15 जनवरी तक मनाए जाने वाले महिला सशक्तिकरण सप्ताह की शुरुआत महिलाओं को उपहार में कंगन और मिठाई देकर की। इसे मकर संक्रांति उत्सव नाम दिया गया।

लाड़ली बहनों को 1576 करोड़ ट्रांसफर-मप्र में नई सरकार बनने के बाद लाड़ली बहना योजना की पहली किस्त बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंगल क्लिक पर जारी की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने 1.29 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1576.61 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। साथ ही सामाजिक न्याय विभाग की 12 पेंशन स्कीम के 56 लाख हितग्राहियों को 341 करोड़ ट्रांसफर किए। सीएम डॉ. मोहन ने कहा कि सरकार लाड़ली बहना की राशि डाल रही है, पता नहीं कांग्रेस के लोगों का पेट क्यों दुखता है। कहते हैं कि दे ही नहीं सकते...। जब आज राशि देते देख रहे तो कहते हैं कि अब दे दी, अगली बार नहीं देंगे। तुम उम्मीद में बैठे रहो, हम हर बार देते रहेंगे। तुमने तो कभी नहीं दी, देने वालों पर उंगली उठाते हो। सीएम ने कहा कि अपने बाप का क्या जाता है, राम की चिड़िया राम के खेत खाओ मोरी चिड़िया भर-भर पेट। आपका है आपको ही दे रहे हैं।

मोदी जी जो कहते हैं वो करते हैं-डॉ. मोहन यादव बोले, मोदी जी ने कहा हमारे देश में केवल चार जातियां हैं। महिला, युवा, किसान और गरीब। इतना सुंदर विचार उनके अंदर आता है। वो जो कहते हैं वो करते हैं। ये आप मुझसे बेहतर जानते हैं। पाकिस्तान के इमरान खान भी कहते हैं कि मोदी हमारे यहां क्यों नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने भाषण की शुरुआत बाबा महाकाल और मकर संक्रांति का जिक्र करते हुए की। उन्होंने कहा- हमारे त्योहार को मनाने का तरीका और प्रकृति से उसका संबंध एक अलग एहसास कराता है।

महतारी वंदन योजना के लिए रहेगा बजट-छत्तीसगढ़ में अब महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपए मिलेंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना के लिए अनुपूरक बजट में व्यवस्था कर ली गई है। जल्द ही प्रदेश की विवाहित माताओं- बहनों के खाते में पैसा जाने वाला है। साथ ही किसानों के खाते में धान का एक मुश्त राशि दिया जाएगा। वहीं, विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने किसानों से 3100 प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी करने का वादा किया था। इसे लागू करने को लेकर जल्द ही आदेश जारी होने वाला है। फिलहाल, धान खरीदी 2100 रुपए में हो रही है।

2100 में खरीदी, 3100 देंगे कीमत-सीएम साय ने रायपुर में कार्यकर्ताओं के अभिनंदन समारोह में इसकी घोषणा करते हुए कहा कि किसानों से किया वादा हम पूरा करने जा रहे हैं। किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान लिया जा रहा है। सरकार 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान की कीमत देने वाली है। अभी एमएसपी खाते में जा रही है, लेकिन अंतर की राशि 900 सवा 900 रुपए एक मुश्त हमारी सरकार किसानों को देने वाली है, तो थोड़ा किसानों को धैर्य रखना है। निश्चित रूप से एक मुश्त उनको यह अंतर की राशि हम देंगे।

500 में मिलेंगा सिलेंडर, भूमिहीनों 10 हजार-मुख्यमंत्री विष्णुदेव ने मंच से कहा कि भाजपा का वादा पूरा होगा। मोदी की गारंटी भाजपा ने दी है, इसका मतलब ही है कि गारंटी के पूरा होने की पूरी गारंटी है। चाहे वह उज्जवला गैस के कनेक्शनधारी हैं, उन्हें 500 में गैस सिलेंडर देंगे। भूमिहीन मजदूर और किसान को 10 हजार रुपए सालाना भाजपा सरकार देगी।

नवीन शिक्षा नीति के ज़मीनी क्रियान्वयन हेतु योजना एवं निरीक्षण दोनों सशक्त करें- मंत्री श्री सिंह

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने विभागीय समीक्षा की

भोपाल। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि नवीन शिक्षा नीति के ज़मीनी क्रियान्वयन के लिए योजनाबद्ध तरीक़े से प्रयास के साथ किए गए प्रयासों का सघन निरीक्षण महत्वपूर्ण है। विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों को प्रेरित करें, विभागीय वरिष्ठ अधिकारी नियमित रूप से मैदानी निरीक्षण करें। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने आज मंत्रालय वल्लभ भवन में स्कूल शिक्षा विभाग की वृहद् समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विभाग द्वारा संचालित गतिविधियों और विभागीय संरचना की जानकारी तथा विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों का परिचय प्राप्त किया। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि अधोसंरचना विकास एवं नवीन तकनीकी का प्रयोग किया जाना सराहनीय है, साथ ही यह आवश्यक है कि इन नवाचारों का उचित उपयोग सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने रख-रखाव अथवा अन्य कारणों से स्मार्ट क्लास के संचालन में अगर व्यवधान है, उसका ब्योरा तैयार करने के निर्देश दिये ताकि आवश्यक निदानात्मक कार्रवाई की जा सके। स्कूल शिक्षा मंत्री को प्रदेश में विभागीय शैक्षणिक अधोसंरचना, साक्षरता परिदृश्य और प्रगतिरत तथा आगामी कार्ययोजना की जानकारी दी गयी। इनमें शालाओं का उन्नयन तथा विस्तार और विकास, शाला भवन निर्माण, शिक्षकों तथा कर्मचारियों का प्रशिक्षण, शालाओं में शारीरिक शिक्षा तथा खेलकूद, शाला की परीक्षाओं का संचालन, विद्यार्थियों के लिए प्रोत्साहन योजनाओं, छात्रवृत्ति आदि का विवरण शामिल है।

युवाओं को रोज़गार देने के प्रयास करें-स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने निर्देश दिये कि सभी पात्र विद्यार्थियों को समय से छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए आवश्यक कार्यवाहियाँ पूर्ण करें। बच्चों को साइकिल प्रदाय योजना में राशि अंतरित करने की व्यवस्था की जाये। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि विभाग के अधोसंरचना विकास एवं शैक्षणेत्तर संचालन कार्यों में जहाँ भी संभावना हो वहाँ युवाओं को रोज़गार देने के प्रयास करें।

भोपाल में 13 और 14 को सबसे बड़ी न्याय पंचायत, जुटेंगे प्रदेश के 1550 जज

भोपाल। मप्र की अब तक की सबसे बड़ी स्टेट ज्यूडिशियल ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस 13 और 14 अप्रैल को भोपाल में होने जा रही है। यह पहला मौका है जब कॉन्फ्रेंस में सुप्रीम कोर्ट के 6 जज, मप्र हाई कोर्ट के तीनों बेंच के सभी 40 जज और जिला न्यायालयों के 1500 सेशन जज व मजिस्ट्रेट समेत कई पूर्व न्यायाधीश एकसाथ एकत्र होंगे। भोपाल के रवींद्र भवन कन्वेंशन सेंटर में होने जा रही यह 10वीं जजेज कॉन्फ्रेंस हैं, जो 5 साल बाद हो रही है। कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन सुप्रीम कोर्ट के सबसे वरिष्ठ जज जस्टिस संजीव खन्ना करेंगे। पहली बार इमरजेंसी ड्यूटी, गर्भवती या बीमार को छोड़कर सभी जजों के लिए इसमें शामिल होना अनिवार्य किया गया है। उद्घाटन समारोह में पहले दिन सुप्रीम कोर्ट के ही मौजूदा जज जस्टिस अनिरुद्ध बोस, जस्टिस जेके माहेश्वरी और मप्र हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रवि मलिमथ भी मौजूद रहेंगे। .. तैयार करेंगे विजन 2047 = दो दिन तक 5 सत्रों में मप्र के लिए न्यायपालिका के विजन 2047 के साथ न्यायपालिका के कामकाज की समस्याओं, समाधान और नवाचारों पर चर्चा होगी। न्यायपालिका को सुगम बनाने के लिए एआई और सोशल मीडिया का असर, योगदान पर मंथन होगा।

कलेक्टर को भरण-पोषण राशि निर्धारित करने का अधिकार नहीं -मप्र हाई कोर्ट ने एक अहम फैसले में शिक्षक के वेतन से 50 प्रतिशत की राशि काटकर उनकी पत्नी को भरण-पोषण बतौर दिलाने के कलेक्टर के आदेश को मनमाना और अवैधानिक करार दिया। इसके लिए हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने सिंगरौली जिले के तत्कालीन कलेक्टर के प्रति नाराजगी जताते हुए उन पर 25 हजार का जुर्माना तो लगाया ही है, साथ ही शिक्षक के वेतन से काटकर पत्नी को दिलाए गए वेतन की धनराशि आठ प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ लौटाने का भी आदेश दिया।

नए सदस्यों को सदन में अपने विचार रखने को प्राथमिकता दी जाएगी: विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर

16 वीं विधानसभा के सदस्यों का दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम का समापन

शून्यकाल में तात्कालिक घटना के विषयों को भी सदस्य उठा सकेंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा एवं लोकसभा (प्राइड) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित षष्टम विधानसभा के नव निर्वाचित सदस्यों के दो दिवसीय प्रबोधन कायर्क्रम का समापन बुधवार हो गया। समापन सत्र को संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश विधानसभा के माननीय अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने आगामी 7 फरवरी से शुरु होने वाले विधानसभा सत्र में प्रथम बार निर्वाचित सदस्यों को सदन में बोलने की प्राथमिकता दी जाएगी। श्री तोमर ने कहा कि प्रत्येक सदस्य को सदन में बोलने का अवसर मिले इसके लिए हमें प्रयास करना चाहिए। श्री तोमर ने कहा कि शून्यकाल में लिखित सूचनाओं पर बोलने का प्रावधान अभी है, किंतु आगामी सत्र में यह भी निर्धारित किया जाएगा कि शून्यकाल में महत्वपूर्ण तत्कालीन घटनाओं पर भी सदस्य अपनी बात रख सकेंगे। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम की सफलता में लोकसभा और विधानसभा सचिवालय की भूमिका को भी प्रतिपादित किया। श्री तोमर ने कहा कि इस बार 69 विधायक पहली बार चुन कर आए हैं। उन्हें एक पत्र भेजकर उनसे इस दो दिवसीय प्रबोधन का अनुभव लिया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि नए विधायकों के लिए एक और प्रबोधन कार्यक्रम अगर आवश्यक लगे तो उस दिशा में विचार करना चाहिए। समापन सत्र को संसदीय कार्यमंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सांसद एवं सभापति विशेषाधिकार समिति सुनील सिंह, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीताशरण शर्मा, मप्र विधानसभा सचिवालय के प्रमुख सचिव ए.पी.सिंह, विधानसभा के माननीय सदस्यगण, अधिकारीगण एवं पत्रकार उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम की शुभारंभ मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की आथित्य में प्रारंभ हुआ था। प्रबोधन कार्यक्रम में उत्तरप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्रीसतीश महाना, लोकसभ में लाभ के पदों पर गठित संयुक्त समिति के अध्यक्ष डॉ. सत्यपाल सिंह, लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीतासरण शर्मा, पूर्व राज्यसभा सदस्य सुरेश पचौरी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र सिंह, झारखण्ड के सांसद एवं सभापति विशेषाधिकार समिति सुनील सिंह आदि ने संसदीय प्रक्रिया एवं सदन संचालन से संबंधित विभिन्न विषयों पर अपने ज्ञानवर्धक व्याख्यान विधानसभा के नव निर्वाचित सदस्यों को दिए।

कमलनाथ ने किया राम नाम पत्र का लेखन

हनुमान मंदिर में की पूजा अर्चना, 4 करोड़ 31 लाख पत्र भेजे जाएंगे अयोध्या

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के पूर्व पीसीसी चीफ कमलनाथ बुधवार को अपने विधानसभा क्षेत्र छिंदवाड़ा पहुंचे। अपने छिंदवाड़ा दौरे के दौरान कमलनाथ ने सिमरिया हनुमान मंदिर में पहुंचकर हनुमान जी की पूजा अर्चना की। इसके बाद उन्होंने राम नाम पत्र का लेखन किया । यह सभी राम पत्रक अयोध्या भेजे जाएंगे। बता दें कि छिंदवाड़ा से 4 करोड़ 31 लाख राम नाम लिखे हुए पत्र अयोध्या भेजे जा रहे हैं। जिसका आयोजन मारुति नंदन सेवा समिति छिंदवाड़ा ने किया है। पत्रकारों से चर्चा में कमलनाथ ने कहा कि यह केवल एक धार्मिक आयोजन है। इसका और कोई मतलब नहीं है। हमारी धार्मिक भावनाएं उभारी जाए और छिंदवाड़ा की जनता की भावनाओं को व्यक्त करने का एक तरीका है। और ऐसे आयोजन सभी जगह होना चाहिए।

कमल नाथ ने विधायक पद की शपथ ली

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने आज विधानसभा में विधायक की शपथ ली। उन्हें मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने विधानसभा में विधायक पद की शपथ ग्रहण कराई। इस दौरान मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार उपस्थित रहे। गौरतलब है कि कमल नाथ किन्हीं कारणों से विधानसभा सत्र से अनुपस्थित रहने के चलते विधायक पद की शपथ ग्रहण नहीं कर पाए थे। इसी के चलते उन्हें आज शपथ दिलाई गई है।

आईसीआईसीआई बैंक में नकली सोना रख 4 करोड़ 63 लाख की ठगी करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

17 आरोपियो में बैंक अधिकारियो सहित सुनार भी शामिल

भोपाल। आईसीआईसीआई बैंक में नकली सोना गिरवी रखकर 4 करोड़ 63 लाख रूपये की धोखाधड़ी करने वाले 17 में से चार आरोपियो को क्राईम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। फर्जी गोल्ड लोन का सारा षडयंत्रबैंक के अधिकारियों, कर्मचारियों, गोल्ड की वैल्यूएशन करने वाले सुनारों और ग्राहकों ने मिलकर रचा था। शिकायत मिलने पर जॉच के बाद क्राइम ब्रांच में बैंक अधिकारियों, तीन सुनारों सहित सत्रह आरोपियों के खिलाफ धारा 409, 420, 120-बी सहित अन्य धाराओ में एफआईआर दर्ज की गई थी। जानकारी के अनुसार आईसीआईसीआई बैंक भोपाल की रीजनल हेड कंचन राजदेव और एरिया मैनेजर भानु उमरे ने थाना कोलार रोड में लिखित शिकायत करते हुए बताया था कि उनकी कोलार रोड स्थित ब्रांच के आडिट में पता चला है कि ब्रांच में बैंक अधिकारियों, कर्मचारियों और गिरवी रखे जाने वाले सोने का मूल्यांकन करने वाले अधिकृत सुनारों (एवरेजर) ने मिली भगत करते हुए संदिग्ध ग्राहकों के जरिये बैंक शाखा में नकली सोना (फेक गोल्ड) गिरवी रखकर करोडों का गोल्ड लोन स्वीकृत कर करीब साढ़े चार करोड़ रूपये की जालसाजी की है। आगे की पड़ताल में खुलासा हुआ कि करोड़ो की जालसाजी में आईसीआईसीआई बैक शाखा कोलार रोड भोपाल का ब्रांच मैनेजर अमित पीटर पिता सी पीटर (42) निवासी केन्ट सदर लेव, कंपाउंड, जबलपुर, डिप्टी ब्रांच मैनेजर दीक्षा मीणा पुत्री श्यामसिंह मीणा (29) निवासी अयोध्या भोपाल, सेल्स मैनेजर, गोल्ड लोन सौरभ खरे पिता सतीश चन्द्र खरे (35) निवासी ग्राम नीलबड, रातीबड, भोपाल, रिलेशनशिप मैनेजर पवन सेन पिता शिवकरण सेन (35) निवासी गणपति इन्क्लेव, कोलार रोड, भोपाल शामिल है। उनके साथ ही बैंक में गिरवी रखे जाने से पहले उस सोने की जांच करने वाले बैंक के अधिकृत सुनार (एवरेजर) राम कृष्ण पिता कल्याण सिंह राजपूत (28) निवासी ग्राम खैरी, थाना बरेली, जिला रायसेन हाल पता राजहर्ष कॉलोनी, कोलार रोड, भोपाल, राकेश सोनी पिता गोपीकिशन सोनी(54) निवासी थाना हनुमानगंज, भोपाल और जगदीश कुमार सोनी पिता शिवप्रसाद सोनी (35) निवासी थाना बजरिया भोपाल के नाम भी शामिल है। बैंक अधिकारी कर्मचारियो और सुनारो के साथ ही आरोपियो में आईसीआईसीआई बैंक की कोलार रोड ब्रांच के कस्टमर, गोल्ड लोन खाता धारको को भी आरोपी बनाया गया है। जिन ग्राहको के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, उनके नाम उमर फारुख खान पिता रफत अजीज खान (36) निवासी भोपाल, शोभित कुमार जैन पिता शोभालाल जैन (31) निवासी छतरपुर , हिमांशु मालवीय पिता राधेश्याम मालवीय (22) निवासी औबेदुल्लागंज, जिला रायसेन, अक्षय कुमार जैन पिता महेश कुमार जैन (28) निवासी ग्राम छुवारा, जिला छतरपुर, करण सिंह पिता शंकर लाल सिंह जाटव (34) निवासी भोपाल, शक्ती सिंह तोमर पिता सरदार सिंह तोमर (27) निवासी बरेठ, जिला विदिश, मीना शर्मा पति संतोषीलाल शर्मा, निवासी ग्वालियर, अंकित श्रीवास्तव पिता स्व.रविन्द्र कुमार श्रीवास्तव (55) निवासी भोपाल, रवि गुप्ता पिता कौशल प्रसाद गुप्ता(28) निवासी टिंगवाह, तहसील उस्मी चिंगवा मझोली, जिला सीधी सहित अरुण शर्मा पिता संतोषीलाल शर्मा, निवासी भोपाल है। इन सभी आरोपियो ने मिली भगत कर नकली सोना गिरवी रख कर बैंक को 4 करोड़ 32 लाख से अधिक का नुकसान पहुंचाया है। क्राइम ब्रांच टीम ने चार आरोपियो राकेश सोनी, जगदीश कुमार सोनी, शोभित कुमार जैन, अरुण शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों की धरपकड़ के लिये चार टीमें लगाई गई है।

ऐसे होता था फर्जीवाड़ा

आईसीआईसीआई बैंक की कोलार रोड शाखा की सेल्स मैनेजर सौरभ खरे तथा रिलेशन शिप मैनेजर पवन सेन ग्राहक लाते थे। इसके बाद उनके द्वारा बैंक में गिरवी के रूप में रखे जाने वाले गोल्ड की जॉच बैंक के अधिकृत सुनारों (एवरेजर) राम कृष्ण, राकेश सोनी एवं जगदीश कुमार सोनी से कराकर नकली अथवा कम कैरेट के गोल्ड को अधिक प्रमाणित कराकर बैंक मैनेजर अमित पीटर तथा डिप्टी मैनेजर दीक्षा मीणा की मिली भगत से गोल्ड लोन स्वीकृत कराया जाकर उन्हें गोल्ड लोन दे दिया जाता था। आरोपियो ने इस तरह से कई ग्राहक को कई-कई गोल्ड लोन दिये थे। वहीं 14 गोल्ड लोन तो बिना सोना गिरवी रखे ही दे दिये गये।

हार्ट अटैक के बाद क्लीनिकली डेड हो चुके थे श्रेयस तलपड़े

श्रेयस तलपड़े इस वक्त चर्चा का हिस्सा है। कई शानदार फिल्मों में श्रेयस ने ऐसी भूमिकाएं निभायीं हैं जो कि लोगों को आज भी याद हैं। इस वक्त वो वेलकम टू द जंगल को लेकर चर्चा में हैं जिसकी हाल ही में खत्म हुई है। लेकिन इस बीच एक खबर सामने आ रही है जो कि आपको हैरान करने के लिए काफी है। पता चला है कि श्रेयस तलपड़े को शूटिंग के खत्म होने के बाद दिल का दौरा पड़ा था।

ये मामला 14 दिसंबर 2023 का बताया जा रहा है। ये कोई छोटा मोटा दिल का दौरा नहीं था बल्कि ये कहा जा रहा है कि ये उनकी दूसरी लाइफ है। अभिनेता इस बात का खुलासा एक इंटरव्यू में किया है। उन्होने बताया कि क्लीनिकली तौर पर वो मर चुके थे, उनको सीपीआर देकर वापस से जिंदा किया गया। श्रेयस तलपड़े ने बताया कि वो वेलकम टू द जंगल के सेट से घर लौट रहे थे। इस दौरान अचानक उनको लगा कि वो सांस नहीं ले पा रहे हैं। इसके साथ साथ उनको बाएं हाथ में दर्द भी हो रहा था। श्रेयस को कुछ समझ नहीं आया और उनको लगा कि ये सिर्फ मांसपेशियों में खिंचाव के कारण हो रहा है। लेकिन जैसे ही वो अपनी कार में बैठे तो तबियत काफी बिगड़ गई। ●

हर काम के लिए स्टॉफ पर निर्भर नहीं अजय देवगन

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहते हैं। फैंस को एक्टर से जुड़े हर अपडेट का बेसब्री से इंतजार रहता है। इस बीच अभिनेता को कलिंगा एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। इस दौरान अभिनेता का अपनी मां के लिए जो प्यार सामने आया है, उसने हर किसी का दिल जीत लिया। वहीं, अब ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है और फैंस भी इस देखकर एक्टर की खूब तारीफ कर रहे हैं। हाल ही में अजय देवगन को उनकी मां के साथ कलिंगा एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। इस दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि जैसे ही अजय की मां व्हील चेयर पर आती हैं, तो अभिनेता किसी टीम मेंबर का इंतजार किए बिना खुद ही अपनी मां की हेल्प करते हैं और उन्हें गाड़ी में बिठाते हैं।

इन बॉलीवुड सितारों ने कम स्क्रीन टाइम में जीता दर्शकों का दिल

साल 2023 में कई सुपरहिट फिल्में रिलीज हुई हैं। कुछ ही दिन में हम साल 2023 को अलविदा कहने वाले हैं। ऐसे में इस साल कई धमाकेदार फिल्में रिलीज हुई है। इन फिल्मों को दर्शकों ने काफी ज्यादा प्यार दिया है। आज हम आपको उन अभिनेताओं को बारे में बताने वाले हैं जो साल 2023 में अपने छोटे से रोल से काफी लोकप्रियता हासिल की है। भले इन्हें ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं मिला हो लेकिन कम स्क्रीन टाइम मिलने के बाद भी इन्होंने अपने रोल से लाखों लोगों के दिल में अपनी अलग पहचान बनाई हैं।

तृप्ति डिमरी

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म एनिमल तो आपने देखा ही होगा। इस फिल्म में तृप्ति डिमरी ने अपने कुछ देर के रोल से लोगों के दिल में अपने लिए एक खास पहचान बना ली हैं। उन्हें इस फिल्म में काफी ज्यादा पसंद किया है। उनकी एक्टिंग की सराहना दर्शक कर रहे हैं। उन्होंने इस फिल्म में रणबीर कपूर के साथ कुछ इंटीमेट सीन किया है। दर्शकों उनके कॉन्फिडेंस की काफी ज्यादा तारिफ कर रहे हैं। इस फिल्म के बाद गूगल पर तृप्ति डिमरी को काफी ज्यादा सर्च किया गया है। इतना ही नहीं, उन्हें नेशनल क्रेश का टैग भी मिला हैं।

गजराज राव

सत्यप्रेम की कथा में पिता का किरदार निभाकर गजराज राव ने सभी के दिल में एक खास जगह बना ली हैं। गजराज राव की दमदार एक्टिंग को काफी ज्यादा पसंद किया जा रहा है। गजराज राव ने इस फिल्म अपने कॉमेडी किरदार से काफी अधिक लोकप्रियता मिली हैं। उनकी एक्टिंग की काफी तारीफ हुई हैं।

संजय दत्त

शाहरुख खान की फिल्म जवान दर्शकों को काफी ज्यादा पसंद आई हैं। इस फिल्म में कुछ समय के लिए संजय दत्त भी नजर आते हैं। अपने कुछ मिनट के किरदार के लिए ही संजय दत्त को काफी ज्यादा पसंद किया गया है। एसटीएफ अधिकारी बनकर संजय दत्त ने अपने किरदार को काफी खास तरीके से निभाया है।

उनके रोल ने सभी का दिल जीत लिया है। उनकी एक्टिंग की तारीफ सभी जमकर करते हैं। ●

बिपाशा बसु को करीना कपूर खान ने कहा था काली बिल्ली

बॉलीवुड स्टार करीना कपूर खान और बिपाशा बसु 2020 के दशक की टॉप एक्ट्रेसेस रही थीं। दोनों ने साल 2001 में आई अक्षय कुमार और बॉबी देओल स्टारर फिल्म अजनबी में साथ काम किया था। हालांकि इसी दौरान दोनों के बीच सेट पर हुए कैट-फाइट की खबरों ने जमकर सुर्खियां बटोरी थीं। उस वक्त अजनबी के सेट पर करीना कपूर खान के फैशन डिजायनर विक्रम फडनीस ने बिना उनकी सहमति के बिपाशा बसु को मदद करने की कोशिश की थी। जिसके बाद करीना कपूर खान आग बबूला हो गईं। जिसके बाद कथित तौर पर दोनों का सेट पर ही बुरा झगड़ा हुआ और करीना ने बिपाशा पर हाथ तक उठा दिया था। साथ ही एक्ट्रेस ने उन्हें काली बिल्ली तक कहकर पुकार दिया। मीडिया रिपोर्टस की माने तो उस दौर में काफी बवाल मचाया था। बाद में बिपाशा बसु ने इस मुद्दे पर अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा था कि मीडिया ने तिल का ताड़ बना दिया। एक्ट्रेस ने कहा था, मेरे साथ कभी कोई मुद्दा नहीं रहा। वो डिजायनर के पास गई थीं। और मुझे नहीं पता मुझे क्यों इसमें खींचा गया। ये काफी नया था। इसके बाद बिपाशा बसु ने अपनी बात जारी रखते हुए करीना कपूर खान संग कभी काम न करने की कसम खा ली थी। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो करीना कपूर खान का बर्ताव बिपाशा बसु के गले नहीं उतरा था। वो इस घटना से काफी आहत थीं।

करीना कपूर खान ने किया था ये खुलासा

इस मुद्दे पर साल 2002 में करीना कपूर ने फिल्मफेयर को दिए एक इंटरव्यू में एक बार फिर बिपाशा बसु पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था, उनके (बिपाशा बसु) अंदर अपने टैलेंट को लेकर ही कॉन्फिडेंस नहीं है। उन्होंने 4 पन्ने का इंटरव्यू दिया जिसमें 3 पन्ने उन्होंने मेरे बारे में ही बात की। **बिपाशा बसु ने कॉफी विद करण में कही ये बात**

इसके बाद इस घटना पर अदाकारा बिपाशा बसु ने कॉफी विद करण के एक एपिसोड में भी बात की थी। उन्होंने बताया, सही बताऊं तो मुझे फिल्म को लेकर किसी तरह के पूर्वाग्रह नहीं थे। जब मैं फिल्म के सेट पर पहुंची तो स्विटजरलैंड गई जहां 80 लोगों की यूनिट थी। हर कोई मुझसे बात कर रहा था। ऐसा नहीं की सब जरूरत से ज्यादा अच्छे थे। मगर सब बात कर रहे थे। करीना से बात करना थोड़ा मुश्किल था। मगर मुझसे हर कोई बात कर रहा था। फिल्म के दूसरे शिड्यूल में ही मुझे पता लगा कि करीना मुझे पसंद नहीं करती। ●

मौसमी फ्लू क्या है?

इ**समें** दरवाजे के नॉब, डेस्क, कंप्यूटर और फोन जैसी चीजें शामिल हैं।

फ्लू से पीड़ित किसी व्यक्ति के हाथ या चेहरे को छूने से, फिर अपने चेहरे, नाक, मुंह या आंखों को छूने से।

लक्षण

फ्लू के लक्षण आमतौर पर एक्सपोज़र के एक से चार दिन बाद दिखना शुरू होते हैं। अधिकांश लोग कुछ दिनों से बीमार हैं।

विशिष्ट लक्षणों में बुखार, ठंड लगना, दर्द, खांसी और गले में खराश शामिल हैं। उल्टी या दस्त जैसे आंत संबंधी लक्षण संभव हैं लेकिन कम आम हैं।

मौसमी फ्लू कभी-कभी निमोनिया, अस्पताल में भर्ती होने या मृत्यु जैसी गंभीर जटिलताओं का कारण बनता है।

रोकथाम और इलाज

फ्लू से बचाव में मदद करने वाली स्वस्थ आदतें

निकट संपर्क से बचें. जो लोग बीमार हैं उनके निकट संपर्क से बचें।

जब आप बीमार हों तो घर पर रहें। अपना मुंह और नाक ढकें। अपने हाथ साफ करो। अपनी आंखों, नाक या मुंह को छूने से बचें। सर्दियों में श्वसन संबंधी बीमारियां अधिक क्यों होती हैं? यह सब शुष्क हवा में वापस आता है। शुष्क, ठंडी हवा वायुमार्ग को संकीर्ण कर सकती है और फेफड़ों में जलन पैदा कर सकती है, जिससे सांस लेने में कठिनाई हो सकती है। ठंडी हवा हमारे निचले वायुमार्गों में मौजूद नमी की परत को भी बाधित कर सकती है, जिससे इसे बदलने से पहले सामान्य से अधिक तेजी से वाष्पीकरण हो सकता है। इसके अलावा, ठंड के मौसम में गले की सुरक्षा परत बलगम भी सामान्य से अधिक चिपचिपा और गाढ़ा हो जाता है। इससे वायुमार्ग अवरुद्ध हो सकता है और संक्रमण या सर्दी लगने की संभावना बढ़ सकती है। सर्दियों में सांस लेने की समस्या पैदा करने वाले अन्य कारकों में शामिल हैं-

डॉ. अशोक झिंगन

-प्रदूषण
-धुंध
-धुआं और धूल के कण
-मौसमी एलर्जी

सर्दियों में फ्लू क्यों बढ़ता है?

इन्फ्लूएंजा जैसे वायरस मुंह और नाक के माध्यम से प्रवेश करते हैं, लेकिन हमारे नासिका मार्ग में आमतौर पर उनके खिलाफ मजबूत सुरक्षा होती है। हालांकि, ठंडा मौसम हमारी नाक में मौजूद बलगम को साफ करने की हमारी क्षमता को धीमा कर देता है, जिससे वायरस के लिए हमारे शरीर को संक्रमित करना आसान हो जाता है।

संक्रमण का जोखिम इस आधार पर भी बढ़ सकता है कि हम सर्दियों के दौरान अपना अधिकांश समय कहां बिताते हैं- घर के अंदर, ऐसे स्थानों में जो आदर्श से कम वेंटिलेशन और तंग व्यक्तिगत स्थान प्रदान कर सकते हैं। हीटिंग सिस्टम इनडोर वायु को शुष्क भी बनाते हैं। ये स्थितियां श्वसन वायरस के संचरण को बहुत प्रभावित कर सकती हैं।

यदि इलाज न किया जाए तो फ्लू किस प्रकार की बीमारियों का कारण बन सकता है?

फ्लू से पीड़ित अधिकांश लोग कुछ दिनों से लेकर दो सप्ताह से भी कम समय में ठीक हो जाएंगे, लेकिन कुछ लोगों में फ्लू के परिणामस्वरूप जटिलताएं (जैसे निमोनिया) विकसित हो जाएंगी, जिनमें से कुछ जीवन के लिए खतरा हो सकती हैं और परिणामस्वरूप मृत्यु हो सकती है।

साइनस और कान में संक्रमण फ्लू से होने वाली मध्यम जटिलताओं के उदाहरण हैं, जबकि निमोनिया एक गंभीर फ्लू जटिलता है जो अकेले फ्लू वायरस संक्रमण या फ्लू वायरस और बैक्टीरिया के सह-संक्रमण के परिणामस्वरूप हो सकती है।

सर्दियों में गर्माहट देने वाला रूम हीटर

हो सकता है जानलेवा

स**र्दियों** के मौसम की हड्डियां जमा देने वाली ठंडी हवा से बचने के लिए हम कई तरीके अपनाते हैं। मोटे-मोटे स्वेटर पहनना, गर्म-गर्म चाय और हीटर चलाकर, रजाई में घुसकर बैठने से बेहतर और केुछ नहीं लगता। लेकिन आपका रूम हीटर जितना आरामदेह लगता है, उतना ही हानिकारक भी हो सकता है। यह इतना खतरनाक हो सकता है कि इसकी वजह से जान जाने तक का खतरा भी रहता है। आइए जानते हैं रूम हीटर के इस्तेमाल से क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं।

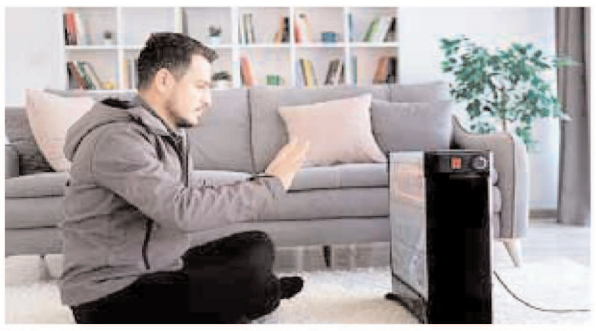

आंखों में इरिटेशन

रूम हीटर के इस्तेमाल से आपके कमरे की हवा ड्राई हो सकती है। सर्दियों में हवा में पहले से ही कम नमी होती है, रूम हीटर का इस्तेमाल इसे और अधिक ड्राई बना देता है। इस कारण से, आपकी आंखों में भी ड्राईनेस का एहसास हो सकता है, जिस वजह से इरिटेशन, आंखों में खुजली और रेडनेस की समस्या हो सकती है। आंखों की ड्राईनेस को दूर करने के लिए कई बार आंखों में आंसू भी आने लगते हैं, जो काफी इरिटेटिंग हो सकते हैं।

कार्बन मोनोऑक्साइड का लेवल बढ़ना

रूम हीटर के इस्तेमाल से कई बार कार्बन मोनोऑक्साइड गैस रिलीज होती है। यह एक जहरीली गैस होती है, जो आपकी जान भी ले सकती है। दरअसल, इस गैस की कोई गंध या रंग नहीं होता, जिस वजह से इसका पता नहीं लग पाता, लेकिन इसकी वजह से चक्कर आना, सिर दुखने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इन लक्षणों की मदद से इसका पता लगा सकते हैं। इस वजह से एस्फिक्सिया यानी स्लीप डेथ होने का खतरा भी रहता है।

हीटर्स के इस्तेमाल के दौरान इन बातों का ख्याल रखें-

-अपने कमरे की वेंटिलेशन का ख्याल रखें, ताकि इससे निकलने वाली गैस बाहर निकल सके।
-बच्चों और पेट्स को इसके पास न जाने दें।
-नियमित तौर से इसकी सफाई करें ताकि इसमें गंदगी न इकट्ठा हो।
-प्लास्टिक, कारपेट, लकड़ी, गद्दे, जैसी चीजों से दूर रखें।

रात को इसे चलाकर न सोएं न इसे बहुत देर चलाकर छोड़ें।

रूखी त्वचा

सर्दियों में नमी की कमी से स्किन काफी ड्राई हो जाती है। रूम हीटर के इस्तेमाल से त्वचा और अधिक ड्राई हो सकती है। इस कारण से, स्किन फ्लेकी और खुरदुरी हो सकती है। इसके अलावा, खुजली और रेडनेस की समस्या भी हो सकती है। इन कारणों से, स्किन इरिटेशन की समस्या भी हो सकती है।

एलर्जी

रूम हीटर के इस्तेमाल से कई बार एलर्जी भी हो सकती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि रूम हीटर के इस्तेमाल से वातावरण में मौजूद डस्ट और एलर्जेन्स आपके शरीर में घुस सकते हैं, जिस वजह से एलर्जी की समस्या हो सकती है। यह अस्थमा और ब्रॉनकाइटिस के मरीजों के लिए खास तौर से खतरनाक हो सकता है।

प्रेगनेंसी में उलटियों से बचने के घरेलू उपाय

ग**र्भावस्था** के सबसे सामान्य लक्षणों में से एक है उल्टी होना। लगभग 70 फीसदी प्रेगनेंट महिलाओं को उल्टी और मतली होती ही है। हालांकि, कुछ महिलाओं को पूरे नौ महीने तक यह दिक्कत रह सकती है। आइए जानते हैं कि गर्भावस्था में उल्टी कब शुरू होती है और उल्टी रोकने के घरेलू उपाय क्या हैं?

प्रेगनेंसी में उल्टी होना नॉर्मल है

गर्भावस्था में उल्टी होना सामान्य बात है। इसे नॉजिया और वॉमिटिंग इन प्रेगनेंसी (एनवीपी) भी कहा जाता है और इसका स्पष्ट कारण पता नहीं चल पाया है। एक थ्योरी के मुताबिक, गर्भावस्था के दौरान शरीर में आने वाले हार्मोनल बदलावों के कारण ऐसा होता है। दिन या रात में किसी भी समय प्रेगनेंट महिला को एनवीपी की दिक्कत हो सकती है। हालांकि, अधिकतर महिलाओं को प्रेगनेंसी की पहली तिमाही तक ही यह दिक्कत रहती है लेकिन कुछ मामलों में यह परेशानी तीसरी तिमाही तक भी रह सकती है। इसके अलावा गर्भवती महिलाओं को पहली तिमाही के चौथे से छठे हफ्ते से ही उल्टी की दिक्कत होने लगती है। इस समय गर्भाशय में इंप्लांटेशन पूरा होता है। शुरुआती तीन महीने खत्म होने पर उल्टी की शिकायत भी खत्म हो सकती है। अगर आपकी यह प्रॉब्लम कम होने की बजाय बढ़ गई है तो इसे हाइपरमेसिस ग्रेविडेरम कहते हैं। यह एक गंभीर स्थिति है लेकिन अगर किसी प्रेगनेंट महिला को उल्टी का लक्षण नहीं दिख रहा है तो घबराने की कोई बात नहीं है।

डॉ. नीलम नाथ

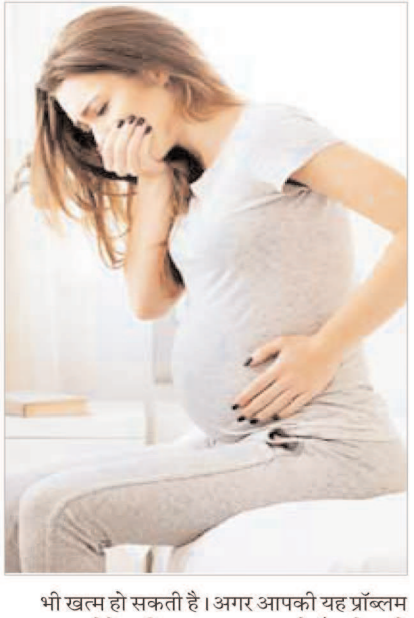

प्रेगनेंसी में ही उल्टी क्यों?

गर्भावस्था के दौरान हार्मोंस में उतार चढ़ाव बहुत आता है और इसी के कारण उल्टी हो सकती है। माना जाता है कि प्रेगनेंसी हार्मोन एस्ट्रोजन के बढ़ने की वजह से उल्टी की दिक्कत होती है। वहीं, प्रेगनेंट महिला के अत्यधिक स्ट्रेस लेने पर भी उल्टी ट्रिगर हो सकती है। गर्भवती महिला का पाचन तंत्र भी कमजोर हो जाता है जिसकी वजह से उन्हें ज्यादा भारी चीजें पचाने में दिक्कत होती है। ऐसे में भी उल्टी होने की संभावना रहती है।

प्रेगनेंसी में उल्टी होने पर क्या करें

सुबह नाश्ते में टोस्ट, अनाज आदि खाएं। वहीं, रात को सोने से पहले चीज या हाई प्रोटीन स्नैक खाएं। दिनभर फलों का ताजा रस और पानी पीती रहें। एक ही बार में ज्यादा पानी या जूस पीने की गलती न करें।

हर दो से तीन घंटे में थोड़ा-थोड़ा खाना या स्नैक्स जरूर खाएं। एक बार में ही ज्यादा खाने से बचें। तेज खुशबू वाली चीजें खाने से बचें।

उल्टी रोकने के घरेलू उपाय

अदरक की चाय-अदरक की चाय उल्टी को रोकने के साथ पाचन में सुधार और एसिडिटी कम करती है। आप अदरक का एक टुकड़ा भी चबा सकती हैं।

संतरा- संतरे में सिट्रिक एसिड होता है जिसे सूंघने पर मतली ठीक होती है। आप संतरे का जूस भी पी सकती हैं या इसे सूंघने से भी आराम मिलता है।

नींबू पानी- नींबू खनिज पदार्थों से युक्त होता है और गर्भावस्था में होने वाली मतली और उल्टी को रोकने का भी गुण रखता है।

लोन चुकाने के बाद भी बैंक ने मांगा 27 लाख रुपये का शुल्क

इंदौर। छोटे मध्यम उद्योगों को निजी बैंकों द्वारा परेशान और प्रताड़ित करने का आरोप लगा है। इंदौर में हुई ताजा घटना के बाद एसोसिएशन आफ इंडस्ट्रीज मप्र (एआइएमपी) ने मामले में मोर्चा खोल दिया है। उद्योगों से मनमाने शुल्क बताकर वसूली करने के आरोप में एसोसिएशन ने लिखित शिकायत केंद्रीय वित्त मंत्री को कर दी है। कार्रवाई के साथ भारतीय रिजर्व बैंक से बैंकों की अवैध वसूली के. खिलाफ विस्तृत जांच की मांग भी की गई है।

विधानसभा चुनाव से पहले उद्योग संगठनों ने औद्योगिक लोन और ओवर ड्राफ्ट खातों पर मनमाना शुल्क लगाने का मुद्दा उठाया था। औद्योगिक संगठन एआइएमपी ने प्रदेश सरकार से औद्योगिक नीति में संशोधन कर उद्योगों को मिलने वाले लोन पर लागू स्टाम्प ड्यूटी भी घटाने की मांग की थी। इस बीच अब बैंक द्वारा मनमानी वसूली करने के मामले में उद्योगपतियों को उद्वेलित कर दिया है। एसोसिएशन आफ इंडस्ट्रीज ने लिखित शिकायत वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को भेजते हुए जानकारी दी है कि बैंकों की मनमानी वसूली से इंदौर की एक इंडस्ट्री बंद होने की कगार पर पहुंच गई है। पहले भी ऐसे मामले सामने आए थे। ऐसे में कार्रवाई जरूरी है। एसोसिएशन के अनुसार सन पैकेजिंग नामक उद्योग ने 3.3 करोड़ रुपये का टर्म लोन और ओवरड्राफ्ट लिमिट 1.8 करोड़ इंडसइंड बैंक से लिया था। बाद में उद्योग ने अपना खाता किसी दूसरे बैंक में ट्रांसफर करवाने की प्रक्रिया लोन की। इसके बाद बैंक द्वारा उद्योगपति से कहा गया कि पहले वह पूरा चुकाए। फिर खाता बंद कर एनओसी दी जाएगी। उद्योगपति ने लोन चुका दिया। अब बैंक ने एनओसी देने से इन्कार करते हुए 27.12 लाख का नान कम्प्लाएंस शुल्क चुकाने का डिमांड नोट उद्योगपति को दे दिया है, जबकि लोन चुकाया जा चुका है और ऐसा कोई शुल्क लागू नहीं होता। रिजर्व बैंक प्रोसेसिंग शुल्क और अन्य मनमाने चार्जेस पर रोक लगा चुका है तो बैंक नए शुल्क लगाकर अवैध वसूली कर प्रताड़ित कर रहे हैं।

रिजर्व बैंक के नियमों में ऐसा कोई शुल्क लागू नहीं होता है । उद्योगपति ने कर्ज चुका दिया है, बैंक वाले 27 लाख से ज्यादा मांग कर प्रक्रिया बाधित कर रहे हैं।

उद्योग की पंजी कर्ज चुकाने में चली गई। वह अन्य बैंक में खाता नहीं खुलवा पा रहा। ऐसे में उद्योग बंद होने की स्थित में हैं। केंद्र से कार्रवाई की मांग की है। जरूरत पड़ी तो एसोसिएशन धरना भी देगा।

योगेश मेहता, अध्यक्ष, एआइएमपी

लोन के सेक्शन लेटर में सारी शर्तें लिखी होती हैं। उसी लेटर की शर्त के मुताबिक उक्त मामले में तय शुल्क मांगे जा रहे हैं। इससे अधिक जानकारी मैं नहीं दे सकता।

मुक्तेश जैन मैनेजर, इंडसइंड बैंक

ट्रैफिक सुधार को लेकर नया प्रयोग

8 जनवरी से जवाहर मार्ग और एमजी रोड होगा वनवे-महापौर

इंदौर। इंदौर शहर में ट्रैफिक के बढ़ते प्रभाव के बीच अब नया प्रयोग होने जा रहा है। इसके तहत आठ जनवरी से जवाहर मार्ग और एमजी रोड वन-वे रहेगा। यह संभवतः ट्रैफिक सुधार मुहिम को लेकर मध्य प्रदेश में यह सबसे बड़ा प्रयोग है। इस बात की घोषणा इंदौर नगर निगम के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने की। शहर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शुक्रवार को पत्रकारों से चर्चा के दौरान बताया, इंदौर शहर तेजी से बढ़ रहा है। बढ़े शहरों में ट्रैफिक का दबाव कम करने में वनवे काफी हद तक सफल होता है। हम सड़कों के चौड़ीकरण और अतिक्रमण मुक्त करने को लेकर सतत प्रयास कर रहे हैं। इसके अलावा एक प्रयोग के तहत जवाहर मार्ग, बड़ा गणपति से लेकर कृष्णपुरा तक के मार्ग को वनवे किया जा रहा है। इससे ट्रैफिक का दबाव कुछ हद तक कम करने में मदद मिलेगी।

ट्रांसपोर्ट नगर में सात करोड़ में बनेगी सड़कें, डलेगी स्टार्म वाटर लाइन भी

नगर निगम ने जारी किए टेंडर, 25 को खुलेंगे

इंदौर। शहर में सड़कों के निर्माण के लिए नगर निगम चुनाव बाद एक बार फिर टेंडर जारी करने लगा है। आर्थिक हालत ठीक न होने के बाद भी करोड़ों के विकास कार्य किए जाएंगे। जनकार्य विभाग ने ट्रांसपोर्ट नगर की तीन सड़कों के लिए टेंडर जारी किये गये हैं, जिसमें स्टार्म वाटर लाइन डलने के साथ फुटपाथ भी बनाया जाएगा। इसी माह के अंत में टेंडर खुलेंगे। व्यावसायियों द्वारा लगातार सड़क निर्माण को लेकर मांग की जा रही थी।

चुनाव के बाद से ही पार्षदों द्वारा विकास कार्यों को लेकर पत्र लगाए जा रहे हैं। इधर आर्थिक तंगी से जूझ रहे नगर निगम के लिए फिलहाल कोई भी बड़ा काम करना आसान नहीं है। अब नई सड़कों के लिए टेंडर निकाले जा रहे हैं। ट्रांसपोर्ट नगर में तीन सड़कों के लिए नगर निगम ने टेंडर निकाले हैं। जनकार्य विभाग के अधीक्षण यंत्री ने टेंडर जारी किए हैं। 25 जनवरी को सभी टेंडर खोले जाएंगे और जिसमें भी दर कम होगी, उस कम्पनी को ठेका दिया जाएगा। ट्रांसपोर्ट नगर में लम्बे समय से व्यावसायियों द्वारा सड़क निर्माण की मांग की जा रही थी। जहां बारिश के मौसम में कई बार कीचड-पानी के कारण ट्रांसपोर्ट व्यावसायियों को भारी परेशानी का सामना भी करना पड़ता है।

प्रतिबंध के बावजूद खुलेआम बिक रही नायलॉन की डोर

इंदौर। सरकार ने नायलॉन की डोर और से पतंगबाजी पर रोक लगाई है। हर साल इस बारे में आदेश निकाले जाते हैं, लेकिन लाख कोशिशों के बाद भी चाइना डोर पर प्रतिबंध नहीं लग पा रहा। पिछली बार भी जिले में एक दर्जन छोटी बड़ी घटना चायना के इस डोर से हुई थी। उसके बाद प्रशासन व सरकार ने इस और कोई कड़े कदम नहीं उठाए।

जिले में आज भी प्रशासन व पुलिस की आंखों के सामने मौत का मांझा खुलेआम बिक रहा है, लेकिन प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। जब तक प्रशासन कार्रवाई करेगा तब तक मांझा पतंग उड़ाने वालो के घरों में पहुंच गया होगा। सरकार के कोई कड़े कदम नहीं दिखाई देते है। मकर संक्रांति पर पतंगबाजी के उत्साह से भरा पर्व होता है। पतंग उड़ाने के लिए जिस नायलॉन मांझे का इस्तेमाल किया जाता है, वो बेहद खतरनाक हो सकता है। मकर संक्रांति जैसे-जैसे नजदीक आ रही है बच्चों में पतंगबाजी को लेकर उत्साह बढ़ता जा रहा है।

ऑनलाइन डिलेवरी जारी-आज बढ़ते आधुनिकता के साथ नए आधुनिक कारोबार में भी लोगों ने नए-नए तरीके आजमाना शुरू कर दिए हैं। वही जहां प्रशासन ने चायना की डोर पर भले ही प्रतिबंध लगा रखा है मगर दबे छुपे एक और नया तरीका बाजार में ऑनलाइन डिलीवरी के साथ दुकानदारों के माध्यम से बाजार में बेचा जा रहा है। ऑनलाइन कारोबार से चाइना डोर बिक्री हो रही है। ऑनलाइन मौत के माझे की दुकान के बारे में प्रशासन को भी जानकारी नहीं। वहीं चौराहे पर युवा वर्ग के लड़के द्वारा बात करने पर ऑनलाइन मांझे की बिक्री के बारे में जानकारी लगी।

चायना डोर का व्यापार जारी पुलिस-प्रशासन की नाक के नीचे

जहां एक और उत्साह और उमंग का त्यौहार होता है संक्रांति मगर दूसरी ओर जिले व शहर में चाइना की डोर का व्यापार जारी है। शहर में पतंग व धागे की दुकानें शहर में दर्जनों है जिसमें मल्हारगंज, बंबई बाजार, हरसिद्धि, काची मोहल्ला, जिंसी, द्वारिकापुरी, समाजवादी इंदिरा नगर, एरोड्रम, 71 नंबर स्कीम, आजाद नगर, खजराना, बाणगंगा, पाटनीपुरा, मालवा मील व शहर के अलग अलग क्षेत्र में बिक्री हो रही है। यहां इस बार भी नायलॉन की बिक्री चोरी-छिपे एक महीने पहले से शुरू हो चुकी है। इधर शहर में कई जगह नायलॉन का धागा बेचा जा रहा है। प्रतिबंधित चाइना डोर आज भी शहर में चोरी छिपे बिक रही है दुकानदार ऐसे खुले रूप में नहीं बेच रहा है। मगर व्यापारियों को इसे बेचने के नुकसान भी पता है, फिर बेच रहे हैं। इससे नुकसान आम जनता के साथ सभी वर्ग को होता है। सरकार द्वारा प्रतिबंध होने के बावजूद जिले व शहर में चाइना की डोर पुलिस व प्रशासन की नाक के नीचे धड़ल्ले से बिक रही है। ग्राहक से मोल भाव तय कर पहले पैसा लिया जाता है, फिर दुकानदार उन्हें लाकर चाइना की डोर दे देता है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)